भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

TEN RUPEES

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

188

प्ररूप 26
(नियम 4 क देखिए)

लखनऊ खण्ड स्नातक, निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम)
विधान परिषद, उत्तर प्रदेश (सदन का नाम) के निर्वाचन के लिए
रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम-निर्देशन पत्र के साथ
प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र के साथ संलग्न

Avanish Kumar Pandey

Sworn and Verified
Before me

11/11/2020

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No 31/64/2000

प्ररूप 26

(नियम 4क देखिए)

लखनऊ खण्ड स्नातक ....

.........निर्वाचन-क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधान परिषद, उत्तर प्रदेश ....

(सदन का नाम) के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम-निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग-क

मैं, अवनीश कुमार पाण्डेय ....**पुत्र/पुत्री/पत्नी नरेश चन्द्र पाण्डेय आयु 41 वर्ष, जो अवनीश कुमार पाण्डेय, 110, बदरसाज सीतापुर .... (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं :-

(1) मैं निर्दलीय ....(**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी /**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूं।

(**जो लागू न हो उसे काट दे)

(2) मेरा नाम 146-सीतापुर ....(निर्वाचन-क्षेत्र और राज्य का नाम). में भाग संख्या 244 के कम संख्या 489 ...... पर प्रविश्ट है।

(3) मेरा/मेरे 6387053146 .... संपर्क दूरभाष संख्या/संख्याएं है/हैं और avanishkumarpandey44@gmail.com मेरा ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।

(i) लागू नहीं ....

(ii) लागू नहीं ....

(iii) लागू नहीं ....

Sworn and Verified
Before me

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No 31/64/2000

Avanish Kumar Pandey

(4) स्थायी खाता संख्या (पैन) और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम सं.	नाम	पीएएन (स्थायी खाता संख्या)	वह वित्तीय वर्श जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है।	पिछले पांच वित्तीय वर्शों (31 मार्च को) के लिए आय–कर विवरणी में दर्शित कुल आय (रूपये में)
1.	स्वयं	CVJPPG356G	लागू नहीं	(i) लागू नहीं
				(ii) लागू नहीं
				(iii) लागू नहीं
				(iv) लागू नहीं
				(v) लागू नहीं
2.	पति / पत्नी	लागू नहीं	लागू नहीं	(i) लागू नहीं
				(ii) लागू नहीं
				(iii) लागू नहीं
				(iv) लागू नहीं
				(v) लागू नहीं
3	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है)	लागू नहीं	लागू नहीं	(i) लागू नहीं
				(ii) लागू नहीं
				(iii) लागू नहीं
				(iv) लागू नहीं
				(v) लागू नहीं
4	आश्रित–1	लागू नहीं	लागू नहीं	(i) लागू नहीं
				(ii) लागू नहीं
				(iii) लागू नहीं
				(iv) लागू नहीं
				(v) लागू नहीं
5.	आश्रित–2	लागू नहीं	लागू नहीं	(i) लागू नहीं
				(ii) लागू नहीं
				(iii) लागू नहीं
				(iv) लागू नहीं
				(v) लागू नहीं
6.	आश्रित–3	लागू नहीं	लागू नहीं	(i) लागू नहीं
				(ii) लागू नहीं
				(iii) लागू नहीं
				(iv) लागू नहीं
				(v) लागू नहीं

टिप्पण: स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पश्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नहीं हुआ है"।

Sworn and Verified Before

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No 31/64/2000

Aarishkumarpandey

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) ✓ मैं यह घोशणा करता/करती हूं कि मेरे विरुध्द कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

(यदि अभ्यर्थी के विरुध्द कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नहीं' होता है लिखें)

या

(ii) मेरे विरुद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैः लागू नही

(यदि अभ्यर्थी के विरुध्द कोई आपराधिक मामले लंबित है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों के ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	संबध्द पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट संख्या	लागू नही	लागू नही	लागू नही
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला संख्या	लागू नही	लागू नही	लागू नही
(ग)	अंतर्वलित संबध्द अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की संख्या दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.....................)	लागू नही	लागू नही	लागू नही
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	लागू नही	लागू नही	लागू नही
(ड.)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नही	लागू नही	लागू नही
(च)	यदि उपर्युक्त मद (ड.) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे।	लागू नही	लागू नही	लागू नही
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुध्द कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नही	लागू नही	लागू नही

Sworn and Verified
Before me

11/11/2020

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No. 31/64/2000

Avanish kumar Pandey

(6) **दोशसिध्दि के मामले,–**

(i) मैं यह घोशणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोशसिध्द नहीं किया गया है।

(यदि अभ्यर्थी के दोशसिध्द नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नहीं' होता है लिखें)

या

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोशसिध्द किया गया है: लागू नहीं

(यदि अभ्यर्थी के दोशसिध्द किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें) लागू नहीं

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ख)	न्यायालय का नाम	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की संख्या दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.........)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोशसिध्द किया गया है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ड.)	दोशसिध्द के आदे ों की तारीखें	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(च)	अधिरोपित दंड	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(छ)	क्या दोशसिध्द के आदे ा के विरुध्द कोई अपील फाईल की गई है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(7क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुध्द सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोशसिध्दि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की **प्रविश्टियों को देखते हुए, स्पश्ट रूप से लागू नहीं होता है,** लिखना चाहिए]

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पश्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविश्ट किए जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के मामले विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रुप से दिए जाए।

11/11/24

Arvind Kumar Pandey

NOTARY R.C. VERMA Adv. & NOTARY Lucknow U.P. Regd. 31/64/2000 GOVT. OF UTTAR PRADESH
Sworn Verified Before me
R.C. VERMA Adv. & NOTARY Lucknow U.P. INDIA Regd. No. 31/64/2000

3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक भीट जोड़ी जा सकती हैं।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनायें देने का उत्तरदायी होगा"।

(7) यह कि मैं, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ:

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – जमा/विनिधान की दशा में क्रम संख्या रकम जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 – सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 – "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता–पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है (हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं है और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।

टिप्पण 5 – प्रत्येक विनिधान के संबंध में रकम सहित ब्यौरे अलग–अलग रुप में दे जाने हैं।
टिप्पण 6 – ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण: इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं:

क्र.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	25000/-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	216340/-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

R. C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No 31/64/2006
Sworn and Verified
GOVT. OF UTTAR PRADESH

Arvind Kumar Pandey

(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	LIC परिपक्वता मूल्य 2 लाख	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(vi)	मोटर वाहन/वायुयान/याच/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्श और रकम)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ix)	सकल कुल मूल्य	441349	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस संरुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3 – **ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।**

क.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृशि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में कय की तारीख	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii)	गैर–कृशि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No. 31/64/2000

	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की द ाा में क्रय की तारीख	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की द ाा में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) **–अवस्थिति (अवस्थितियां)** **–सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)**	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की द ाा में क्रय की तारीख	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की द ाा में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) **–अवस्थिति (अवस्थितियां)** **–सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)**	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की द ाा में क्रय की तारीख	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की द ाा में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	अनुमानित वर्तमान मूल्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल वर्तमान	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

R.C. VERMA
Adv & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No 31764/2009

Anish Kumar Pandey

लागू नहीं	बाजार मूल्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देयताओं/देय राि ा के ब्यौरे नीचे देता हूं :–
(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यश्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग–अलग विवरण दें)

क. सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या देय राि ा बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यश्टिकों, निकाय को ऋण या देय राि ा नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	कोई अन्य **देयता**	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	देयताओं का सकल योग	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii)	सरकारी भोध्य : सरकारी आवास से संबंधित विभागों को भोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्श के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में है? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोशणा प्रस्तुत करें, अर्थात्:– (i) सरकारी आवास का पता: लागू नहीं (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई भोध्य संदेय नहीं है:– (क) भाटक ; लागू नहीं (ख) विद्युत प्रभार ; लागू नहीं (ग) जल प्रभार ; और लागू नहीं (घ) लागू नहीं (तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके प चात् की कोई तारीख होनी चाहिए] टिप्पण–उपरोक्त सरकार आवास के लिए भाटक, विद्युत					हां/नहीं (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का नि ाान लगाएं)

NOTARY R.C. VERMA GOVT. OF UTTAR PRADESH
Sworn and Verified Before me
R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No. 31764/2000

11/11/

Anish Kumar Pandey

लागू नहीं	लागू नहीं	प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए।					लागू नहीं
(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को भोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी है)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iv)	आयकर भोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	लागू नहीं	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(v)	जीएसटी भोध्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(vi)	नगरपालिका/संपत्ति पर भोध्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(vii)	कोई अन्य भोध्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(viii)	सभी सरकारी भोध्य का कुल योग	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त है, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्रधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें।"–	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ....नौकरी....

(ख) पति या पत्नी ....लागू नहीं....

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरे :

(क) स्वयं ....नौकरी....

(ख) पति या पत्नी ....लागू नहीं....

(ग) आश्रित के आय के स्रोत, यदि कोई हों....लागू नहीं....

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाए–

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....लागू नहीं....

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे....लागू नहीं....

Sworn and Verified Before me

11/11/2022

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No. 31/64/2009

Ravish Kumar Pandey

(ग) आश्रित द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे.......लागू नहीं.......

(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबध्द है, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे.......लागू नहीं.......

(ड़) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार है.......लागू नहीं.......

(च) प्राइवेट कंपनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं.......लागू नहीं.......

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:–

.......M.A. एम. ए. शिक्षाशास्त्र, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय वर्ष 2012

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्श जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) मे तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

1.	अभ्यर्थी का नाम		श्री/श्रीमती/कु. अवनीश कुमार पाण्डेय	
2	डाक का पूरा पता		अवनीश कुमार पाण्डेय, 110 बरसंज सीतापुर	
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य		146 सीतापुर, उत्तर प्रदेश	
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)		निर्दलीय	
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या		शून्य	
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोशसिध्द ठहराया गया है।		शून्य	
7.	लागू नहीं	स्थायी लेखा संख्या (पैन)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	CVJPP6356E	लागू नहीं	शून्य
	(ख) पति या पत्नी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	(ग) हिंदू अविभक्त कुदुंब	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	(घ) आश्रित	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

NOTARY R.C. VERMA Adv. Lucknow U.P. India Regd. 31764/2000 GOVT. OF UTTAR PRADESH

Sworn Before me

R.C. VERMA Adv. & NOTARY Lucknow U.P. INDIA Regd. No. 31764/2000

Avanish Kumar Pandey

8.		आस्तियों और दायित्वों (अपतट आस्तियों सहित) के रूपयों में ब्यौरे						
लागू नहीं		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क.		जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	441340/-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू
ख	लागू नहीं	स्थावर आस्तियां	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	i	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	ii	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	iii	निम्नलिखित का अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य– (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
9	लागू नहीं	देयताएं	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	i	सरकारी देय राशि (कुल)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
10	लागू नहीं	ऐसे देयताएं जो विवादाधीन हैं	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	i	सरकारी देय राशि (कुल)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
11	लागू नहीं	उच्चतम भौक्षणिक अर्हताः एम० ए० शिक्षाशास्त्र, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय वर्ष 2012 (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण रुप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/वि वविद्यालय ि क्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/वि वविद्यालय का नाम और वर्श जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)						

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोशणा करता हूं कि इस भापथपत्र की विशय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और वि वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोशणा करता हूं कि :–

(क) मेरे विरूद्व उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोशसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोशसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति/या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या देयता से भिन्न कोई आस्ति या देयता नहीं है।

आज तारीख 11th NOV 2020 ....को सत्यापित किया गया।

Sworn and Verified
Before me

R.C. VERMA
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA
Regd. No 31/64/2000

Avanish Kumar Pandey

Avanish Kumar Pandey

अभिसाक्षी

टिप्पण:1 भापथपत्र नाम–निर्दे ान पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन अपराह्न 3:00 बजे तक दाखिल कर दिया जाना चाहिए।

टिप्पण:2 भापथपत्र पर किसी भापथ कमि नर या प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटेरी पब्लिक के समक्ष भापथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण:3 सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में उपलब्ध करने के लिए कोई सूचना नहीं है तो, यथास्थिति " ून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण:4 भापथपत्र या तो टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ–साफ लिखा होना चाहिए।

टिप्पण:5 भापथपत्र का प्रत्येक पृश्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भापथपत्र के प्रत्येक पृश्ठ पर ऐसे नोटरी या भापथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष भापथपत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।

(विधि मंत्रालय की अधिसूचना सं. एच–11019/04/2018–विधि–II दिनांक 10.10.2018 और संख्या एच–11019/13/2016–विधायी 2 दिनांक 26.02.2019)

Avanish Kumar Pandey